पाठ 13. खरगोश के बच्चे

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में भावनाओं पर नियंत्रण संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे उत्तेजित व उद्वेलित करने वाले कारकों से सकारात्मक रूप से निपटने की क्षमता बढ़ा सकें। इस संस्मरण का संसार प्राकृतिक है। गाँव, खेत, जंगल और खरगोश जैसे नरम स्वभाव वाले प्राणियों का। बच्चों को, और जिन बड़े लोगों का मन बच्चों जैसा पवित्र होता है उन्हें कोमल भाव वाले पशु-पक्षी बहुत अच्छे लगते हैं। लेखक को भी अपने मित्र नूरा के यहाँ खरगोश का जोड़ा देखकर खरगोश पालने की इच्छा हुई। असावधानी के कारण उनके पाले हुए खरगोशों में से दो को कुत्ते ने अपना शिकार बना लिया। लेखक ने स्वयं बाकी खरगोशों को जंगल में छोड़ने को कह दिया।

पाठ का सार

लेखक ने नूरा के यहाँ खरगोश का जोड़ा देखकर स्वयं भी खरगोश पालने का फ़ैसला ले लिया। इसके लिए उन्होंने एक पिंजरा भी बनवा लिया। दो खरगोश उनके जीवन में आ गए और देखते ही देखते वे दो से सात हो गए। लेखक जब स्कूल जाया करते और वहाँ प्रार्थना गीत गाते तो लेखक को लगता जैसे उनके खरगोशों की आवाज़ भी प्रार्थना गान में शामिल है। परीक्षा के दिन नज़दीक आ गए। लेखक के पिता को लगने लगा कि यह खरगोश प्रेम उनके बेटे की पढ़ाई को खराब करेगा। इस बीच लेखक ने खरगोशों के संपर्क में आकर जीवन के एक बहुत सुंदर और कोमल रूप को जाना। एक दिन अनजाने में खरगोशों का पिंजरा ठीक से बंद नहीं किया गया और इस असावधानी के कारण दो खरगोश कुत्ते की हिंसा के शिकार हो गए। दुखी मन से लेखक ने बाकी खरगोशों को भी जंगल में छुड़वा दिया।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  पशु-पक्षियों के विषय में अध्यापक अपने अनुभव या देखी-सुनी, पढ़ी जानकारियाँ संक्षेप में बच्चों के साथ बाँटकर पाठ के लिए वातावरण तैयार कर सकते हैं। फिर इस कहानी जैसे कोमल संस्मरण का वाचन हो तथा पढ़ने में जहाँ उच्चारण या बलाघात में किसी तरह के परामर्श की आवश्यकता हो, वह सही तरीके से बच्चों को मिले, यह ध्यान दें।

  शब्दार्थ के साथ जहाँ ऐसा लगे कि बात को और स्पष्ट करने की ज़रूरत है, तो बात को स्पष्ट किया जा सकता है। बच्चों की जिज्ञासाओं को सही समय और सही तरह से हल किया जाए तो पाठ बच्चों तक पहुँचेगा। जीवों पर दया की आवश्यकता व नैतिकता के बारे में बच्चों को अवश्य बताएँ।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 93** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - सर्वनाम की परिभाषा उदाहरणसहित बताएँ। पुरुषवाचक सर्वनाम के भेदों की चर्चा विशेष रूप से करें। सर्वनाम की पहचान करते समय बच्चों को बताएँ कि यदि संज्ञा के साथ सर्वनाम आए तो वह संकेतवाचक विशेषण बन जाता है। लिंग की परिभाषा

व भेद बताएँ। लिंग की पहचान करने के उपरांत उनका वाक्य में प्रयोग मौखिक रूप से करवाया जा सकता है।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - ❖ चित्र बनाना बच्चों का पसंदीदा क्रियाकलाप है। चित्र बनाने के क्रम में खरगोश की शारीरिक बनावट आदि की चर्चा की जा सकती है।